दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, बुधवार 06 नवंबर 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 38

अपनी विरासत को सहेजते हुए छत्तीसगढ़ को अग्रणी राज्य बनाने का संकल्प लें : राज्यपाल

❐ विकास की सबसे बड़ी ताकत संस्कृति से मिलती है : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

❐ राज्योत्सव के दूसरे दिन भी रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन

रायपुर

छत्तीसगढ़ एक युवा राज्य है और युवा अवस्था में ही इस राज्य ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा और क्षमता का प्रदर्शन किया है। राज्योत्सव के मौके पर अपनी विरासत को सहेजने और छत्तीसगढ़ को अग्रणी राज्य बनाने का संकल्प लें। नागरिकगणों से यह अपील राज्योत्सव कार्यक्रम के दूसरे दिन मुख्य अतिथि राज्यपाल रमेन डेका ने की। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने की।

इस मौके पर अपने संबोधन में डेका ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए गौरव का दिन है। हमारे छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना को 24 वर्ष पूरे हो चुके हैं और यह हम सबके लिए ऐतिहासिक क्षण है। इन वर्षो में हमने एक मजबूत आधार बनाया है और अपने लक्ष्य की ओर लगातार बढ़ने का संकल्प लिया है। उन्होंने इस अवसर पर राज्य निर्माण का स्वप्न देखने वाले और इसके लिए संघर्ष करने वाले पुरखों को भी नमन किया। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की प्रशंसा करते हुए कहा कि राज्य शासन द्वारा जनकल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं जिसके लिए मुख्यमंत्री बधाई के पात्र हैं। छत्तीसगढ़ में कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं। जनजातियों, महिलाओं एवं युवाओं के उत्थान एवं कल्याण के लिए भी निरंतर पहल की जा रही है।

राज्यपाल ने कहा कि पिछले 23 वर्षों में छत्तीसगढ़ के विकास के लिए एक ठोस धरातल निर्मित हुआ है। इस दौर में राज्य की सांस्कृतिक रूप से भी एक अलग पहचान बनी है। वर्तमान में भी सांस्कृतिक समृद्धि के लिए चहुंमुखी प्रयास किये जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ में प्राकृतिक संसाधन पर्याप्त हैं, चाहे वन हो, खनिज हो या मानव संसाधन हो, सभी का उचित दोहन किया जाना अभी बाकी है। संसाधनों के दोहन के साथ ही हमें इस पर भी गहन चिंतन करना होगा कि विकास का पैमाना क्या हो। विकास की सतत् प्रक्रिया में प्रकृति के साथ संतुलन बना रहे, यह भी ध्यान रखना होगा। हम सबको आज संकल्प लेना होगा कि छत्तीसगढ़ को विकास के पथ पर ले जाने के लिए मिलजुल कर प्रयास करेंगे।

राज्य की उन्नति के लिए शांति जरूरी है, विगत कुछ वर्षों से नक्सल हिंसा से छत्तीसगढ़ का कुछ हिस्सा प्रभावित रहा है। इस हिंसा को खत्म करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा लगातार साझा प्रयास किये जा रहे हैं। आशा है कि जल्द ही इस हिंसा से राज्य को मुक्ति मिलेगी और छत्तीसगढ़ तेजी से विकास की दौड़ में आगे बढ़ेगा।

राज्यपाल ने सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि इस राज्य को अग्रणी राज्य बनाने के लिए अधिक से अधिक योगदान दें साथ ही आज एक संकल्प लें कि अपने प्रदेश की, शहर की सार्वजनिक संपत्तियों, सांस्कृतिक धरोहरों की रक्षा करेंगे, उसे संभालेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्योत्सव समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जिन लोगों ने संयुक्त मध्यप्रदेश के समय छत्तीसगढ़ में जन्म लिया और बड़े हुए वे लोग तब और अब के फर्क को बहुत अच्छी तरह जानते हैं। उन्हें याद होगा कि किस तरह छत्तीसगढ़ में बार-बार अकाल पड़ता था। किसानों को रोजी-रोटी के लिए पलायन करना पड़ता था। सौभाग्य से जब अटल जी प्रधानमंत्री बने तो छत्तीसगढ़ की पीड़ा को समझा और अलग राज्य का निर्माण किया। 24 साल पूरे हो गये हैं। छत्तीसगढ़ विकास की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने कार्यक्रम में लोक कलाकारों को अधिकतम जगह दी है। इसके साथ ही छालीवुड और बालीवुड के कलाकारों को भी जगह दी है। मैं सभी कलाकारों का अभिनंदन करता हूँ। हमारी कला हमारे विचारों को अभिव्यक्त करने का माध्यम है। छत्तीसगढ़ की संस्कृति इस मामले में बहुत समृद्ध है हमारे यहां हर विधा के कलाकार हैं। छत्तीसगढ़ में लोक गायन, लोक कला एवं सभी विधाओं को हमारी सरकार प्रोत्साहित कर रही है। शिल्प ग्राम स्थापित किये गये हैं।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ आज राज्य अलंकरण समारोह में होंगे शामिल

❐ विभिन्न क्षेत्र की विभूतियों को करेंगे राज्य अलंकरण से सम्मानित

छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण एवं राज्योत्सव का समापन समारोह 6 नवम्बर को संध्या 6 बजे से उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के मुख्य आतिथ्य में नवा रायपुर स्थित राज्योत्सव ग्राउण्ड में होगा। यहां उपराष्ट्रपति धनखड़ विभिन्न क्षेत्र की विभूतियों को छत्तीसगढ़ राज्य अंलकरण सम्मान से विभूषित करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यपाल रमेन डेका करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

उपराष्ट्रपति धनखड़ राज्य अलंकरण समारोह में शामिल होने के लिए विमान से संध्या 5.40 बजे रायपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे और वहां से राज्योत्सव मेला ग्राउण्ड के लिए प्रस्थान करेंगे। उपराष्ट्रपति धनखड़ राज्य अलंकरण समारोह के पश्चात रात्रि 7.45 बजे रायपुर एयरपोर्ट से नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

यहां यह उल्लेखनीय है कि तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2024 का भव्य आयोजन 4 नवम्बर से 6 नवम्बर तक राज्योत्सव स्थल, नया रायपुर अटल नगर में हो रहा है। 6 नवम्बर को राज्य अलंकरण एवं राज्योत्सव का समापन होगा। राज्योत्सव का शुभारंभ 4 नवम्बर को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में हुआ था। राज्योत्सव के दौरान कार्यक्रम स्थल में प्रतिदिन संध्या से लेकर देर रात तक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। 6 नवम्बर को सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत अनुराग शर्मा द्वारा अनुराग स्टार नाईट, मनोज प्रसाद द्वारा इंडियाज गॉट टैलेंट मल्लखंभ, सवि श्रीवास्तव द्वारा जादू बस्तर एवं पवनदीप एवं अरूनिता के पार्श्व गायन की प्रस्तुति होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम अपने तीज त्योहारों, देव स्थलों, मड़ई मेलों को भी सहेज रहे हैं। विकास के लिए सबसे बड़ी ताकत संस्कृति से ही मिलती है। संस्कृति हमें बताती है कि विकास की दिशा क्या होनी चाहिए। प्राथमिकता क्या होनी चाहिए, सोच क्या होनी चाहिए, दृष्टिकोण क्या होना चाहिए और लक्ष्य क्या होना चाहिए। प्रत्येक नागरिक का आचार-विचार और व्यवहार संस्कृति ही तय करती है और इसी के अनुरूप नीति निर्धारण के लिए सरकार को प्रेरित करती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के लक्ष्य के अनुरूप विकसित छत्तीसगढ़ के लिए विजन डाक्यूमेंट तैयार किया है उसमें संस्कृति को सबसे ज्यादा तवज्जो दी है। संस्कृति ही समाज में ताकत पैदा करती है। छत्तीसगढ़ प्राकृतिक सौंदर्य के मामले में बेहद समृद्ध है। पर्यटन की यहां बड़ी संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि किस तरह से भगवान श्रीराम से जुड़े तीर्थों का विकास किया जा रहा है। माता शबरी और माता कौशल्या के धाम को संवारा जा रहा है। राजिम, सिरपुर, मधेश्वर, भोरमदेव, बारसूर आदि अनेक ऐतिहासिक स्थल हैं, जिनका विकास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी शिल्प कला को सहेजा जा रहा है और प्रोत्साहित किया जा रहा है। खादी के वस्त्रों पर 25 प्रतिशत की छूट देकर इसे प्रोत्साहित किया जा रहा है। इन सबके साथ ही प्रदेश के खानपान की अपनी विशेषता है। राज्य अलंकरण एवं राज्योत्सव के समापन समारोह में उपमुख्यमंत्री द्वय अरूण साव एवं विजय शर्मा, मंत्री रामविचार नेताम, दयाल दास बघेल, केदार कश्यप, लखनलाल देवांगन, श्याम बिहारी जायसवाल, ओपी चौधरी, लक्ष्मी राजवाड़े एवं टंकराम वर्मा, नेताप्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक सर्वश्री राजेश मूणत, पुरन्दर मिश्रा, मोतीलाल साहू, अनुज शर्मा, गुरू खुशवंत साहेब, इन्द्र कुमार साहू एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि होंगे। राज्योत्सव के दौरान छत्तीसगढ़ शासन के सभी विभागों द्वारा राज्योत्सव स्थल पर भव्य एवं आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई है। यहां शिल्प ग्राम में छत्तीसगढ़ के विविध शिल्प प्रदर्शन एवं विक्रय के लिए उपलब्ध है। राज्योत्सव में प्रदर्शनी, मीना बाजार को देखने और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का लुफ्त उठाने के लिए बड़ी संख्या में लोग अपने परिजनों के साथ नया रायपुर मेला पहुंच रहे हैं।

तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर पर लगे पेड़ से टकराई,दो मेडिकल छात्र की मौत

भोपाल (आरएनएस)। तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर पर लगे पेड़ से टकराकर 10 फीट दूर जा गिरी। हादसे में दो मेडिकल छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। इनमें से एक युवक के सिर का हिस्सा धड़ से अलग हो गया। उसकी एक आंख उछलकर दूर जा गिरी। हादसा मंगलवार अल सुबह 3.15 बजे एयरपोर्ट रोड पर हुआ। पुलिस के अनुसार दोनों छात्र बाइक पर तेज रफ्तार से जा रहे थे। मोड़ पर गाड़ी कंट्रोल नहीं कर पाने की वजह से हादसा हुआ। मृतक छात्र समर्थ पाटीदार (24) और रोमिल शाक्य (24) महावीर मेडिकल कॉलेज के फाइनल ईयर के छात्र थे। गांधी नगर थाने से एएसआई प्रवीण सिंह बैस ने बताया कि छात्र समर्थ पाटीदार (24) पुत्र राकेश पाटीदार, बड़वानी का रहने वाला है। समर्थ के पिता किसान हैं। वहीं रोमिल शाक्य (24) के पिता बीपी शाक्य नर्मदा प्रोजेक्ट में सब इंजीनियर हैं। दोनों छात्र किसी ढाबे से खाना खाकर लौट रहे थे। दोनों एयरपोर्ट रोड से एयरोसिटी जाने वाली मुख्य सडक़ पर आए। यहां से करीब डेढ़ किमी दूर एक मोड पर अलसुबह हादसे के शिकार हो गए। वहां से गुजरने वाले किसी युवक ने हादसे की सूचना डायल-100 को दी। दोनों छात्रों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। पुलिस के अनुसार हादसा इतना गंभीर था कि मोटर साइकिल सडक़ किनारे लगे कनेर के पेड़ से टकराने के बाद फुटपाथ के दूसरी तरफ चली गई। गाड़ी रोमिल चला रहा था। वह फुटपाथ की दूसरी तरफ पड़ा मिला।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला: 'हर प्राइवेट प्रॉपर्टी पर सरकार का अधिकार नहीं'

नई दिल्ली । आरएनएस

सुप्रीम कोर्ट ने निजी संपत्ति विवाद में बड़ा फैसला सुनाया है। इस मामले में सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि सभी निजी संपत्ति समुदाय के भौतिक संसाधन नहीं। कुछ निजी संपत्ति समुदाय के भौतिक संसाधन हो सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट के 9 जजों की बड़ी बेंच ने अपने अहम फैसले में कहा कि सरकार सभी निजी संपत्तियों का इस्तेमाल नहीं कर सकती, जब तक कि सार्वजनिक हित ना जुड़ रहे हों।

कोर्ट ने बहुमत से जस्टिस कृष्णा अय्यर के पिछले फैसले को भी खारिज कर दिया है। जस्टिस अय्यर के पिछले फैसले में कहा गया था कि सभी निजी स्वामित्व वाले संसाधनों को राज्य द्वारा अधिग्रहित किया जा सकता है। इसमें कहा गया है कि पुराना शासन एक विशेष आर्थिक और समाजवादी विचारधारा से प्रेरित था। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने साल 1978 के बाद के उन फैसलों को पलट दिया जिसमें समाजवादी थीम को अपनाया गया था और फैसला सुनाया गया था कि राज्य आम भलाई के लिए सभी निजी संपत्तियों को अपने अधीन कर सकते हैं।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि कुछ फैसले इस मामले गलत हैं कि व्यक्ति के सभी निजी संसाधन समुदाय के भौतिक संसाधन हैं। कोर्ट की भूमिका आर्थिक नीति निर्धारित करना नहीं, बल्कि आर्थिक लोकतंत्र स्थापित करने की सुविधा प्रदान करना है। इसलिए सरकारों द्वारा इन पर कब्ज़ा नहीं किया जा सकता।

हाईटेंशन करंट लगने से 2 मजदूरों की मौत

टीकमगढ़ । आरएनएस

जिले के खरगापुर थाना क्षेत्र में 11 हजार केवी बिजली की लाइन टूटकर वहां काम कर रहे दो मजदूरों पर गिर गई, जिससे दोनों की मौत हो गई। घटना सोमवार शाम की है।

थाना प्रभारी मनोज द्विवेदी ने बताया कि मनपसार गांव के पास मूंगफली की फैक्टरी के लिए बिजली की लाइन डाली जा रही है। दोनों मजदूर वहां पर काम कर रहे थे। इस दौरान हादसा हो गया।

जिला अस्पताल पहुंचे परिजनों ने ठेकेदार पर बिना परमिट काम करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि कुछ दिन पहले ही बेरवार गांव निवासी अरविंद प्रजापति (30 साल) भोपाल से टीकमगढ़ आया था। उसे ठेकेदार अपने साथ काम करने ले गया था। खरगापुर फीडर पर काम चल रहा था। अरविंद के साथ मऊ बुजुर्ग निवासी मुकेश घोष भी खंभे पर चढक़र काम कर रहा था। एक व्यक्ति नीचे खड़ा था। इसी दौरान तार टूट गया। ठेकेदार आनन-फानन में कार से अरविंद और मुकेश को जिला अस्पताल ले गया।

वाराणसी में पति ने पत्नी, दो बेटों और एक बेटी की गोली मारकर हत्या की, पुलिस जांच में जुटी

वाराणसी । आरएनएस

उत्तर प्रदेश में वाराणसी के भेलूपुर क्षेत्र से दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां पर एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी, दो बेटों और एक बेटी की हत्या कर दी। इस घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। आरोपी पति राजेंद्र गुप्ता मौके से फरार हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर भेलूपुर पुलिस समेत अधिकारी पहुंच गए। फॉरेंसिंग टीम भी मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। राजेंद्र गुप्ता एक साल से घर से था दूर था। वह दीपावली पर घर आया था। एक अधिकारी ने बताया कि भेलूपुर थाने में सुबह 112 पर सूचना मिली थी कि एक ही परिवार में पत्नी और तीन बच्चों की हत्या कर दी गई है। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घर में रहने वाली माता जी ने बताया कि कुछ सालों से पारिवारिक विवाद चल रहा था। उसी में यह हत्या हुई है। पुलिस मामले की सभी एंगल से जांच कर रही है। हत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। राजेंद्र गुप्ता फरार है। उसके ऊपर 1997 में हत्या का मुकदमा चला था। इसके बाद उस पर दो मुकदमे और रहे हैं। घटना देर रात की है। जिस अवस्था में शव मिले हैं, उससे ऐसा लगता है कि वह सोए हुए थे। उसी समय गोली मारकर उनकी हत्या की गई। मौके पर एक पिस्टल का खोखा भी मिला है। माता जी अलग कमरे में सोती थीं। माता जी ने बताया है कि पत्नी और बच्चों का राजेंद्र गुप्ता से काफी विवाद रहता था और लड़ाई झगड़ा होता रहता था। शुरुआती जांच से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि राजेंद्र गुप्ता ने ही पत्नी नीतू गुप्ता (45), बेटे नमन (25) और छोटू (15) तथा बेटी गौरी (17) की राजेंद्र गुप्ता ने ही हत्या की है।

संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू होगा : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली । आरएनएस

संसद का शीतकालीन सत्र इस बार 25 नवंबर से शुरू होने जा रहा है। इस सत्र के 20 दिसंबर तक चलने की संभावना है। संविधान दिवस की 75वीं वर्षगांठ पर 26 नवंबर, 2024 को संविधान सदन (संसद के पुराने भवन) के सेंट्रल हॉल में एक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट कर, संसद के शीतकालीन सत्र की तारीखों की आधिकारिक तौर पर जानकारी दी।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर बताया, भारत सरकार की सिफारिश पर, माननीय राष्ट्रपति ने 25 नवंबर से 20 दिसंबर, 2024 तक शीतकालीन सत्र, 2024 के लिए संसद के दोनों सदनों को बुलाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है (संसदीय कार्य के एजेंडे और आवश्यकता के अनुसार)।

किरेन रिजिजू ने संविधान दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित करने की जानकारी देते हुए आगे बताया, 26 नवंबर, 2024 (संविधान दिवस) को संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में कार्यक्रम मनाया जाएगा।

बताया जा रहा है कि संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान मोदी सरकार अपने दो महत्वपूर्ण एजेंडे वन नेशन, वन इलेक्शन और वक्फ (संशोधन) विधेयक- 2024 को संसद से पारित करवाने का प्रयास कर सकती है। इन दोनों ही विधेयकों पर कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल लगातार ऐतराज जाहिर कर रहे हैं। ऐसे में संसद के शीतकालीन सत्र का भी हंगामेदार रहना तय माना जा रहा है।

संसद सत्र पर महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनाव के नतीजों का भी असर पडऩा तय माना जा रहा है। दोनों राज्यों में नतीजों की घोषणा 23 नवंबर को होगी और संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू होने जा रहा है।

ऐसे में यह तय माना जा रहा है कि अगर भाजपा इन दोनों राज्यों में सरकार बनाने में कामयाब हो जाती है तो संसद में विपक्षी दलों के तीखे विरोध के बावजूद वह अपने एजेंडे को लागू करने के लिए आक्रामक अंदाज में आगे बढ़ेगी।

आरएसएस ने कनाडा में हिंदू मंदिर पर हुए हमले की कड़ी निंदा की

नई दिल्ली । आरएनएस

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कनाडा में हिंदू मंदिर पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए समस्त समाज द्वारा इसका निषेध करने की बात कही है।

जैन संत सुदर्शन लाल जी महाराज के जीवन पर आधारित फिल्म सुदर्शन चक्र भाग 2 के प्रीमियर शो को लेकर दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कनाडा की घटना को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए सुनील आंबेकर ने कहा, किसी भी धार्मिक स्थान पर, मंदिरों पर इस तरह के हमले हमेशा ही निषेधकारी हैं और मैं समझता हूं कि समस्त समाज इसका निषेध करेगा।

इसके साथ ही उन्होंने जैन संत सुदर्शन लाल जी महाराज के जीवन और इस फिल्म के बारे में बोलते हुए कहा कि वह एक विलक्षण संत थे। उनके जीवन पर आधारित यह फिल्म उनके संदेशों को प्रभावी रूप से फिल्मांकित करती है। आज के समय में परिवार विखंडन एक बड़ी समस्या और उन्होंने परिवारों को जोड़े रखने के लिए बहुत प्रभावी सूत्र अत्यंत सरल रूप में समाज के सामने रखे हैं। यह फिल्म जीवन जीने की कला सिखाती है।

विहिप के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ. सुरेंद्र जैन ने भी कनाडा में हिंदू मंदिरों पर लगातार किए जा रहे हमले और कनाडा सरकार के रवैये की कड़ी निंदा की। जैन ने कार्यक्रम के बारे में बताते हुए यह भी कहा कि पूज्य संत सुदर्शन लाल जी महाराज आजीवन प्रचार से दूर रहे परंतु, अपने अलौकिक दर्शन, संदेशों, प्रवचनों व तपस्या के कारण भारत के प्रभावी संतों की अग्रणी पंक्ति में विराजमान थे। वे सांझी संस्कृति व सांझी विरासत के प्रतीक थे। इसलिए जैन-अजैन सभी उनके प्रति समान श्रद्धा भाव रखते थे।

उन्होंने कहा कि नारी सशक्तीकरण पर उनका अत्यंत आग्रह था। परिवारों को जोडऩे के लिए उन्होंने बुजुर्गों का सम्मान व बच्चों को स्नेह का अद्भुत सूत्र दिया। 25 हजार किलोमीटर से अधिक पैदल विहार करते हुए उन्होंने लाखों लोगों को अपने संपर्क के माध्यम से व्यसनों से मुक्ति दिलाई।

13 साल में 40 प्रतिशत तक बढ़ा ग्लेशियर झीलों का आकार, फटने पर मचेगी तबाही; उत्तराखंड समेत 5 राज्यों में बड़ा खतरा

देहरादून । आरएनएस

जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। ग्लेशियर झीलों का दायरा निरंतर बढ़ रहा है। हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियर झीलों में 13 साल के अंतराल में 33.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है। उत्तराखंड समेत पांच राज्यों में हालात और चिंताजनक नजर आ रहे हैं। यहां ग्लेशियर झीलों का आकार 40 प्रतिशत से अधिक बढ़ा है।

यह खुलासा केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की ताजा रिपोर्ट में हुआ है। केंद्रीय जल आयोग ने हिमालयी ग्लेशियर झीलों के क्षेत्रफल में बदलाव के आकलन के लिए वर्ष 2011 से सितंबर 2024 तक की स्थिति का अध्ययन किया। इसमें पता चला कि भारत में ग्लेशियर झीलों का क्षेत्रफल 1,962 हेक्टेयर था, जो सितंबर 2024 में बढक़र 2,623 हेक्टेयर हो गया है। यह बढ़ोतरी 33.7 प्रतिशत दर्ज की गई।

रिपोर्ट में बताया गया है कि ग्लेशियर झीलों का दायरा बढऩे के साथ ही दूसरे जल निकायों में भी पानी की मात्रा बढ़ रही है। वर्ष 2011 में ग्लेशियर झीलों समेत अन्य जल निकायों का कुल क्षेत्रफल 4.33 लाख हेक्टेयर था, जो अब बढक़र 10.81 प्रतिशत बढक़र 5.91 लाख हेक्टेयर हो गया है। उच्च जोखिम वाली ग्लेशियर झीलों से निचले क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। बाढ़ का खतरा सीमा पार भूटान, नेपाल और चीन जैसे पड़ोसी देशों में भी नजर आता है।

पिछले साल इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट ने एक रिपोर्ट में अहम खुलासा किया था। इसमें यह सामने आया कि 2011 से 2020 तक ग्लेशियर पिघलने की रफ्तार 2000 से 2010 की तुलना में 65त्न अधिक रही है। ग्लेशियर पिघलने की यह रफ्तार बेहद चिंताजनक है। इसकी वजह यह है कि हिमालय लगभग 165 करोड़ लोगों के लिए अहम जल स्रोत है। अगर यही रफ्तार रही तो सदी के अंत तक ग्लेशियर 80 प्रतिशत तक खत्म हो सकते हैं।